रात्रि क्लास 2/1/69 ओमशान्ति शिवबाबा याद है?

सभी हैं भाई–भाई। यह भी तुम्हारा भाई है। सभी भाई कहेंगे हमको बाप से राज्य ि...ला रहा है। हम भाईयों को श्रीमत क्या मिलती है। यह तो कामन बात है। कहेंगे यह भी कोई पूछने की बात है। हम सभी भाई–भाई हैं। बेहद का बाप है यह सभी को याद हो हम भाई2 हैं। नम्बरवार हमारा बाप भी होगा। बाप से क्या मिलेगा यह तो प्रश्न पूछने का नहीं है। बेहद का बाप बेहद का सुख ही देगा। क्योंकि स्वर्ग की स्थापना करते ..... । तुम सभी भाई2 समझो। हम स्वर्गवासी बन रहे हैं। पूछने की दरकार ही नहीं। निश्चय है हम सभी भाई2 हैं। तो सभी हैं भाई2 परन्तु यह प्रसिद्ध है भारत को ही स्वराज्य मिलता है। हम भाई2 हैं। आत्माएं सभी भाई2 हैं; परन्तु कोई कहां कोई कहां हैं। तो स्वर्ग का वरसा भारतवासियों को ही मिलता है। जब नई दुनियां (थी) तो भारत स्वर्ग था। हम बाप के बच्चे हैं यह याद हो तो भी खुशी रहे। साहुकारी का नशा रहता है ना। शिवबाबा जैसा साहुकार कोई बना न सके। तुमको इस समय सच्च2 बाबा मिला है। तुम कह सकते (हो) हम शिवबाबा के बच्चे हैं। मनुष्यों को पता नहीं है कुछ भी। अन्दर में यह घड़ी2 याद आता रहे तो भी बच्चों को निरन्तर खुशी हो। तुम जानते हो बाबा हमको बहुत साहुकार बनाते हैं। ऐसा कोई बना न सके। (व)ह समझते हैं फलाना मरा स्वर्ग गया; परन्तु जाता तो कोई भी नहीं। तुम समझते हो हम बाप के बच्चे हैं। इसलिये सच्च2 स्वर्ग में हम जाने वाले हैं। बच्चे तो जरूर बाप को याद करेंगे। बच्चों का फर्ज है बाप को (या)द करना। यह रूहानी बाप कहते हैं मामेकं याद करो। हमको बहुत खुशी रहती है। हम हैं ही शिवबाबा के सन्तान। गीता का एपिसोड है। भगवानुवाच तो जरूर बच्चों प्रति कहेंगे ना। तुम मुझे याद करो तो पावन दुनियां विश्व का मालिक बन सकते हो। बाप कहते हैं देह के सभी धर्म छोड़ मामेकं याद करो। विकारों पर जीत (पह)न अभी तुम विश्व के मालिक बन रहे हो। विश्व पर जीत पाये होंगे; परन्तु माया भुला देती है इसलिये किसको समझाते नहीं हैं। बाप कहते हैं काम को जीतने से तुम जगत जीत बनेंगे। बाबा के महावाक्य हैं ना। ब्रह्मा द्वारा स्थापना लिखा हुआ है। प्रजापिता ब्रह्मा है तो प्रजा भी होगी ना। प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा स्वर्ग की स्थापना। बाप कहते हैं मुझे याद करो तो तुम पावन बन जावेंगे; परन्तु बाबा समझते हैं माया भुला (दे)ती है। है भी यह संगम युग। तो जरूर नई दुनियां स्थापन हो जावेगी और पुरानी दुनियां खत्म हो जावेगी। (ऐ)सी2 बातें सिर्फ़ तुम ही कर सकते हो। योग बल नहीं है जो तीर लगे। सिवाय शिवबाबा के बाकी सभी कुछ मांगते रहते हैं। ऐसे मांगने की तो दरकार ही नहीं। बच्चों का बाप मिला तो ढेर पैसे मिले। स्वर्ग में ढेर .... आदि होते हैं; परन्तु पहले तो बाप का परिचय चाहिए। बच्चों को न इतना निश्चय है न इतनी स्थायी (खु)शी ही है। पहले2 निश्चय चाहिए तो फिर खुशी हो। सारा घोटाला देहअभिमान का है। देहीअभिमानी बनना ..... माया नाक से पकड़ उल्टा गिरा देती है। माया को जीतने की पावर आनी जरूर है। अभी नहीं आई है। (टाइम) भी चाहिए। बच्चे समझ सकते हैं टाइम नहीं आया है, नहीं तो लड़ाई होती हुई देखें। चाहते भी हैं (जल)दी हो; परन्तु बाप को छोड़ने दिल नहीं होती। हम कर्मातीत बन जावेंगे तो बाबा भाग जावेंगे। इसलिये ..... रखते हैं। अच्छे–अच्छे बच्चे कहेंगे हम बाप के साथ रहे ही पड़े रहें। बाबा चले न जावें। अभी हम ईश्वरीय (सम्प्र)दाय हैं, उनके औलाद हैं तो हम क्यों नहीं स्वर्ग का मालिक बन सकते हैं। अन्यन्य बच्चे समझाते या .....। समझाते होंगे तो लिख भेजेंगे। बाप के साथ ऐसी दिल लगी हुई हो। हमको छोड़ न जाये; परन्तु देही अभिमानियों में वह लव नहीं है। लव बहुत ही कम है। मायावी बुद्धि बहुत है। ईश्वरीय बुद्धि कम है। अच्छा, रूहानी बच्चों प्रित रूहानी बाप व दादा का याद प्यार गुडनाइट। रूहानी बच्चों को रूहानी बाप की नमस्ते।